तेरे हाथ भक्तो की डोर

तेरे हाथ भक्ता दी डोर,
कभी न छूटे डोर सवारा डोर बड़ी कमजोर,
तेरे हाथ भक्तों की डोर साँवरे ,

सुख दुःख की हवा के झोंके अपना मेरा रास्ता रोके,
रह गए है हम तो कान्हा अब तो बस तेरे होके,
तेरे सिवा न जग में मेरा सांवरिया कोई और,
तेरे हाथ भक्तों की डोर साँवरे,

होठो पे नाम तुम्हारा आँखों में सपने तेरे सोउ या जागु सँवारे धरकन में तुम हो मेरे,
सांवरियां मेरे दिल पे चतला तेरा ही जोर,
तेरे हाथ भक्तों की डोर साँवरे

तुम मुझको लगते अपने दुनिया लगती है पराई,
तुमने ही श्याम सलोने प्रीत की रीत निभाई,
इस दुनिया में झूठ दिखवाए रिश्तो का है शोर,
तेरे हाथ भक्तों की डोर साँवरे

अपना बनाये रखना दर पे भुलाये रखना,
अपने सेवक को बाबा दिल में वसाये रखना,
रोमी की इस अर्जी पर भी प्रभु कर लेना गौर,
तेरे हाथ भक्तों की डोर साँवरे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4595/title/tere-hath-bhagta-di-dor-kabhi-na-chute-sanwara-dor-badi-kamjor

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |